



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

हिंदी विश्वविद्यालय में 'हिंदी व्याकरण जाँचक' का प्रदर्शन

वर्धा दि. 21 अप्रैल 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. धनजी प्रसाद द्वारा हिंदी व्याकरण जाँचक का विकास किया गया है। इस सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन 21 अप्रैल को विश्वविद्यालय के भाषा विद्यापीठ में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की उपस्थिति में किया गया।



इस सॉफ्टवेयर को 'आचार्य' नाम दिया गया है। प्रस्तुतिकरण में डॉ. धनजी प्रसाद ने बताया कि यह एक नियम आधारित सॉफ्टवेयर है जिसमें 50 हजार शब्दों के डाटाबेस का प्रयोग किया गया है। यह सॉफ्टवेयर वाक्य और पदबंध दोनों

ही स्तरों पर कार्य करता है। इसके लिए वाक्य स्तर के 56 और पदबंध स्तर के 28 नियम दिए गए हैं। अभी इस सॉफ्टवेयर का विकास कार्य जारी है। यह सॉफ्टवेयर वाक्य या पदबंध स्तर की जाने वाली व्याकरणिक त्रुटियों को लाल रंग का और सही प्रयोगों को हरे रंग का कर देता है।

इस प्रस्तुतिकरण में प्रो. उमाशंकर उपाध्याय, श्री जगदीप सिंह दांगी, डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. अनिल कुमार दुबे, डॉ. एच.ए. हुनगुंद, डॉ. उमेश सिंह सहित, विभिन्न विभागों के अध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रस्तुतिकरण के पश्चात कुलपति महोदय द्वारा सॉफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी बनाने हेतु अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। कुलपति महोदय के अतिरिक्त उपस्थित अन्य प्राध्यापकों द्वारा भी अनेक बहुमूल्य सुझाव दिए गए।